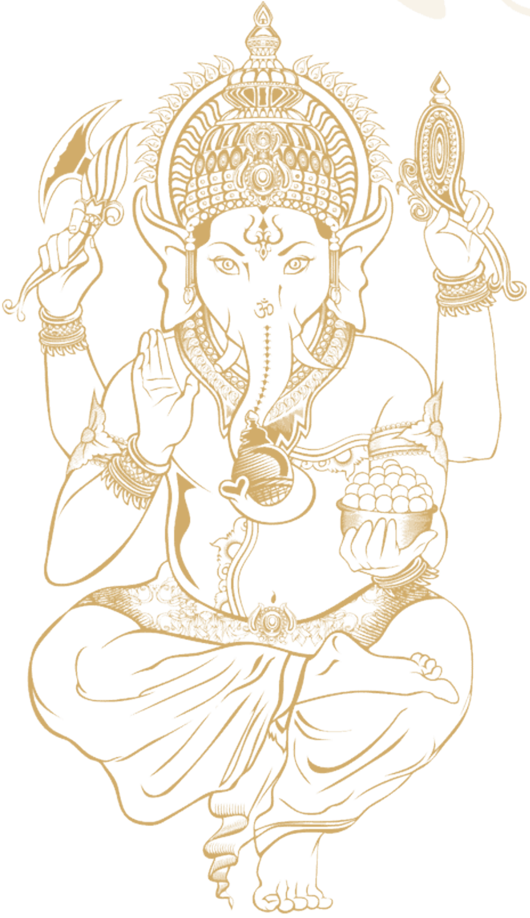

Harshita

07 Feb 1999

07:55 PM

Lohardaga

Model: web-freekundliweb

Order No: 121897605

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/02/1999**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:55:00 घंटे**
इष्ट	33:34:11 घटी
स्थान	**Lohardaga**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:27:00 उत्तर
रेखांश	84:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:03:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:09 घंटे
साम्पातिक काल	05:12:52 घंटे
सूर्योदय	06:29:19 घंटे
सूर्यास्त	17:41:34 घंटे
दिनमान	11:12:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:30:49 मकर
लग्न के अंश	25:21:31 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:21:31	330:07:08	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मक	24:30:49	01:00:47	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	14:45:35	11:53:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			तुला	10:44:40	00:20:50	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	मक	27:02:45	01:46:56	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			मीन	04:58:52	00:12:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	18:30:05	01:14:30	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मेष	04:21:34	00:04:09	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	28:18:25	00:00:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	28:18:25	00:00:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:14:28	00:03:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:37:28	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:19:08	00:01:10	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	25:19:19	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:31

लग्न-चलित

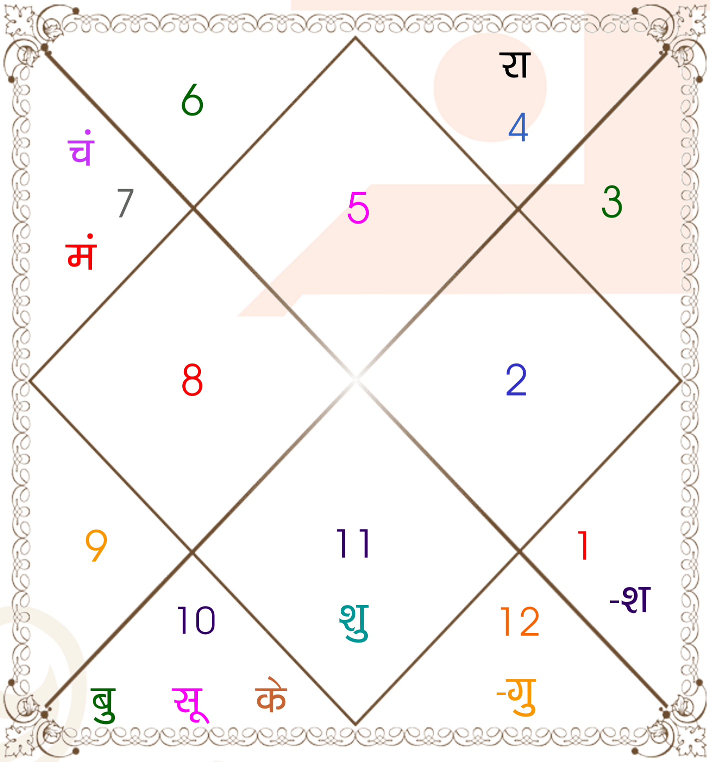

चन्द्र कुंडली

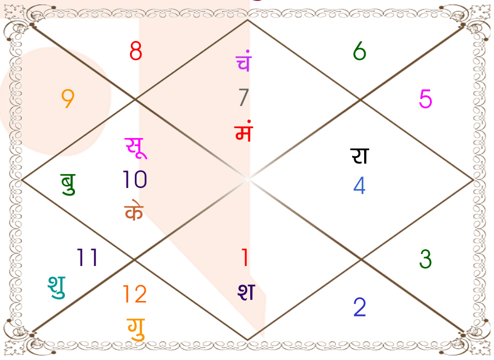

नवमांश कुंडली

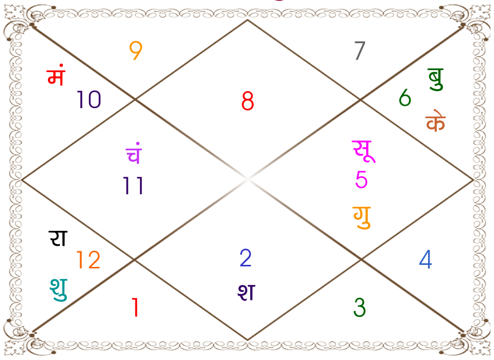

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 0 मास 27 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/02/1999		06/03/2006		06/03/2022		06/03/2041		06/03/2058	
06/03/2006		06/03/2022		06/03/2041		06/03/2058		06/03/2065	
	00/00/0000	गुरु	23/04/2008	शनि	09/03/2025	बुध	03/08/2043	केतु	02/08/2058
	00/00/0000	शनि	05/11/2010	बुध	17/11/2027	केतु	30/07/2044	शुक्र	03/10/2059
	00/00/0000	बुध	10/02/2013	केतु	26/12/2028	शुक्र	31/05/2047	सूर्य	07/02/2060
	07/02/1999	केतु	17/01/2014	शुक्र	26/02/2032	सूर्य	05/04/2048	चंद्र	07/09/2060
केतु	23/09/1999	शुक्र	17/09/2016	सूर्य	07/02/2033	चंद्र	05/09/2049	मंगल	04/02/2061
शुक्र	23/09/2002	सूर्य	06/07/2017	चंद्र	08/09/2034	मंगल	02/09/2050	राहु	22/02/2062
सूर्य	18/08/2003	चंद्र	05/11/2018	मंगल	18/10/2035	राहु	21/03/2053	गुरु	29/01/2063
चंद्र	16/02/2005	मंगल	12/10/2019	राहु	24/08/2038	गुरु	27/06/2055	शनि	09/03/2064
मंगल	06/03/2006	राहु	06/03/2022	गुरु	06/03/2041	शनि	06/03/2058	बुध	06/03/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/03/2065		06/03/2085		07/03/2091		07/03/2101		07/03/2108	
06/03/2085		07/03/2091		07/03/2101		07/03/2108		00/00/0000	
शुक्र	06/07/2068	सूर्य	24/06/2085	चंद्र	05/01/2092	मंगल	03/08/2101	राहु	18/11/2110
सूर्य	06/07/2069	चंद्र	23/12/2085	मंगल	05/08/2092	राहु	22/08/2102	गुरु	13/04/2113
चंद्र	07/03/2071	मंगल	30/04/2086	राहु	04/02/2094	गुरु	29/07/2103	शनि	18/02/2116
मंगल	06/05/2072	राहु	25/03/2087	गुरु	06/06/2095	शनि	05/09/2104	बुध	06/09/2118
राहु	06/05/2075	गुरु	11/01/2088	शनि	04/01/2097	बुध	03/09/2105	केतु	08/02/2119
गुरु	04/01/2078	शनि	23/12/2088	बुध	06/06/2098	केतु	30/01/2106		00/00/0000
शनि	06/03/2081	बुध	29/10/2089	केतु	05/01/2099	शुक्र	01/04/2107		00/00/0000
बुध	05/01/2084	केतु	06/03/2090	शुक्र	05/09/2100	सूर्य	07/08/2107		00/00/0000
केतु	06/03/2085	शुक्र	07/03/2091	सूर्य	07/03/2101	चंद्र	07/03/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 1 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगी। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी की निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी स्त्री का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगी। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकते है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी हैं।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण वस्तुओं का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान है। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकती हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगी। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करती रहीं तो बाद में पश्चाताप करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास सुन्दर पति, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।